सिवनी

शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

शनिवार 16 मई 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 11 ● अंक : 15 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

सीएम सुवेंदु ने आरजी कर रेप-मर्डर में शामिल 3 आईपीएस सस्पेंड

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने आरजी कर रेप-मर्डर केस की जांच में शामिल तीन आईपीएस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। इन पर जांच में लापरवाही बरतने का आरोप था। पूर्व कोलकत्ता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल, पूर्व डिप्टी कमिश्नर इंदिरा मुखर्जी और अभिषेक गुप्ता पर जांच में गड़बड़ी करने, पीड़िता के माता-पिता को रिश्वत के तौर पर पैसे देने की पेशकश करने और बिना अनुमति प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के आरोप हैं। वहीं सीएम सुवेंदु ने नंदीग्राम विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया और भवानीपुर सीट अपने पास रखने का फैसला किया है।

जेईई-नीट के भ्रामक विज्ञापन को लेकर 15 लाख का जुर्माना

कोटा। उपभोक्ता संरक्षण नियामक ने शुक्रवार को राजस्थान के कोटा की मोशन एजुकेशन पर 10 लाख रुपए और सीकर की ष्टस्ष्ट कोचिंग इंस्टीट्यूट पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। दोनों पर फ्री कोर्स या परीक्षा के बाद एडमिशन लेने वाले छात्रों की सफलता का क्रेडिट अपने पेड प्रोग्राम को देने का आरोप है।
सीएलसी का 1650 से ज्यादा छात्रों का एमबीबीएस-आईआईटी में एडमिशन वाला दावा भी 1996 से अब तक का आंकड़ा निकला। दोनों ने एनसीडीआरसी में अपील की है।

महाराष्ट्र में डिप्टी कलेक्टर सस्पेंड

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने यौन शोषण के आरोपी अशोक खरात से कथित संबंधों के आरोप में एक डिप्टी कलेक्टर को निलंबित कर दिया है। इस मामले में राज्य में किसी अधिकारी पर की गई यह पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। कार्रवाई मुंबई स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (स्र्) में तैनात डिप्टी कलेक्टर अभिजीत भांडे-पाटिल के खिलाफ की गई। उन्हें 14 मई को निलंबित किया गया। राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि प्रारंभिक जांच में अधिकारी के अशोक खरात से संबंध सामने आए हैं।

राष्ट्रबाण
अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए
सिर्फ 100 रुपए महीना
संपर्क : 7000427433

वाग्देवी का मंदिर है भोजशाला

मप्र हाईकोर्ट ने धार भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना: अयोध्या केस को फैसले का आधार बनाया; मुस्लिमों को नमाज की इजाजत देने का आदेश खारिज

धार | एजेंसी
rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने धार की भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना है। शुक्रवार को दिए फैसले में हाईकोर्ट ने कहा- हमने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पर विचार किया है। एएसआई एक्ट के प्रावधानों के साथ-साथ अयोध्या मामले को भी आधार माना। न्यूज वेबसाइट बार एंड बेंच के मुताबिक, हाईकोर्ट ने कहा ऐतिहासिक और संरक्षित जगह देवी सरस्वती का मंदिर है। केंद्र सरकार और एएसआई यह फैसला लें कि भोजशाला मंदिर का मैनेजमेंट कैसा रहेगा। अदालत ने एएसआई का 2003 का वह आदेश भी रद्द कर दिया, जिसमें एएसआई ने भोजशाला में हिंदुओं को पूजा का अधिकार नहीं दिया था। उस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसमें मुस्लिमों को नमाज पढ़ने का अधिकार दिया गया था। भोजशाला को कमाल मौला मस्जिद बताते रहे मुस्लिम पक्ष को कोर्ट ने सरकार से मस्जिद के लिए अलग जमीन मांगने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट जाएगा मुस्लिम पक्ष

धार शहर काजी वकार सादिक ने कहा है कि हाईकोर्ट के फैसले का सम्मान है। सलमान खुर्शीद साहब और शोभा मेनन ने तथ्य रखे थे। हम फैसले की समीक्षा करेंगे। इसके बाद हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। फिलहाल, भोजशाला के मेन गेट पर बैरिकेड्स लगाकर इसे बंद कर दिया गया है।

आरपीएफ और रैपिड एक्शन फोर्स भी तैनात

धार पुलिस कंट्रोल रूम में जिलेभर से करीब 1200 पुलिसकर्मियों को बुलाया गया है। एसपी सचिन शर्मा ने कंट्रोल रूम पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

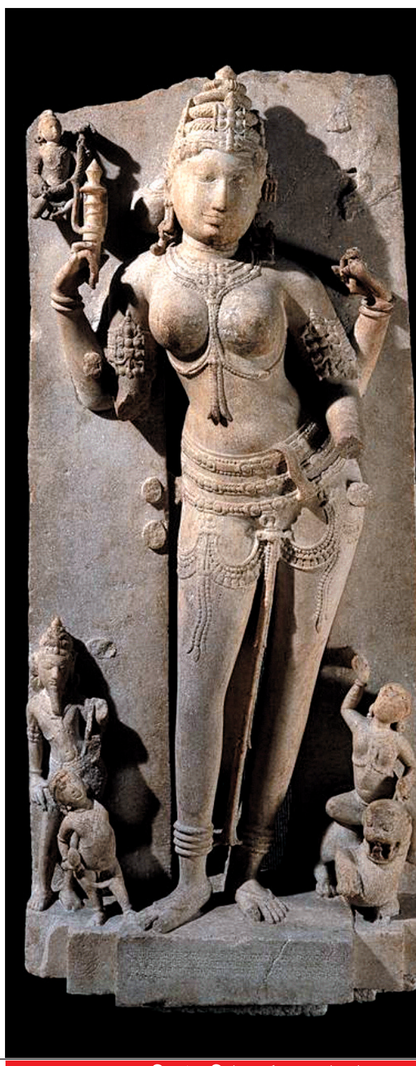

वाग्देवी की मूल प्रतिमा, जिसे मुगलों ने खंडित किया था

117 साल से लंदन में कांच में कैद; बॉक्स को टच करने की अनुमति नहीं

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने धार की भोजशाला को हिंदू मंदिर माना है। शुक्रवार को दिए फैसले में हाईकोर्ट ने कहा- हमने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पर विचार किया है। एएसआई एक्ट के प्रावधानों के साथ-साथ अयोध्या मामले को भी आधार माना।

लंबे समय से भोजशाला को मुस्लिम मस्जिद मानते आ रहे थे, तो हिंदू भोजशाला यानी की मां वाग्देवी का मंदिर। भोजशाला में जिस मां वाग्देवी की पूजा होती है, हकीकत में वह मूल प्रतिमा मप्र के धार से 7350 किमी दूर ब्रिटिश म्यूजियम ग्रेट रसल स्ट्रीट में रखी है। मुगलों के आक्रमण के बाद खंडित हुई इस प्रतिमा को अंग्रेजों ने खुदाई कर 1875 में निकाला था। इसके बाद 117 साल से प्रतिमा लंदन में ही है।

लंदन में रह रहे धार के कृष पाल ने ब्रिटिश म्यूजियम ग्रेट रसल स्ट्रीट से रिपोर्टिंग की थी। आग्रह पर वे ब्रिटिश म्यूजियम, ग्रेट रसल स्ट्रीट पहुंचे, जहां मां वाग्देवी की प्रतिमा रखी हुई है।

हाईकोर्ट के फैसले के पॉइंट्स

- हाईकोर्ट ने कहा कि भोजशाला में सरस्वती मंदिर और संस्कृत शिक्षा केंद्र के साक्ष्य पाए गए हैं।
- कोर्ट ने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई सर्वे के साथ अयोध्या केस को भी आधार माना।
- कोर्ट ने कहा- हर सरकार की जिम्मेदारी है कि वह ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाले प्राचीन स्मारकों और मंदिरों की सुरक्षा निश्चित करे। साथ ही गर्भगृह और धार्मिक आस्था से जुड़ी देव प्रतिमाओं का भी संरक्षण करे।

आयुष चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती पर हाईकोर्ट की रोक

50% आरक्षण विवाद पर राज्य से जवाब तलब, पांच साल नौकरी के बाद भी नहीं मिला लाभ

जबलपुर | एजेंसी
rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने आयुष चिकित्सा अधिकारियों (आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी) की भर्ती प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की खंडपीठ ने यह आदेश तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान गुरुवार को पारित किया।

खंडपीठ ने राज्य सरकार और एमपीपीएससी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ने जवाब दाखिल करने के लिए दो दिन का समय मांगा है, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। मामले की अगली सुनवाई 23 जून 2026 को होगी।

पांच साल की सेवा पूरी करने वालों को आरक्षण का लाभ नहीं

अदालत ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए 31 दिसंबर 2025 को जारी तीनों विज्ञापनों के तहत आयुष चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती से जुड़ी सभी आगामी कार्रवाई पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। यानी फिलहाल नियुक्ति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकेगी।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि मध्य प्रदेश पब्लिक सर्विस कमिशन (एमपीपीएससी) द्वारा निकाली गई आयुष चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती में उन संविदा चिकित्सकों को 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा रहा है, जिन्होंने पांच वर्ष की निरंतर सेवा पूरी कर ली है।

कोर्ट में दी गई दलील

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ ने अदालत को बताया कि सभी संविदा आयुष चिकित्सा अधिकारी उसी पद पर कार्यरत हैं, जिसके लिए भर्ती निकाली गई है। केवल वेतनमान अलग होने के आधार पर उन्हें आरक्षण का लाभ न देना अनुचित है।
उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि अवमानना प्रकरण क्रमांक 2370/2025 में राज्य सरकार खुद स्वीकार कर चुकी है कि आयुष विभाग ने संविदा चिकित्सकों के वेतनमान को नियमित अधिकारियों के बराबर करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग से अनुरोध किया है।

हजारों संविदा चिकित्सकों को राहत

हाईकोर्ट के इस आदेश से राज्यभर के हजारों संविदा आयुष चिकित्सकों को राहत मिली है। लंबे समय से ये चिकित्सक नियमित भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिए जाने की मांग कर रहे थे। अब सरकार के जवाब और अगली सुनवाई के बाद यह स्पष्ट होगा कि संविदा चिकित्सकों को आरक्षण का लाभ किस तरह मिलेगा।

सुप्रीम कोर्ट स्टाफ को 2 दिन का वर्क फ्रॉम होम : जज कार पूलिंग करके कोर्ट जाएंगे

मोदी की ईंधन बचाने की अपील पर फैसला

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

पीएम मोदी की ईंधन बचत की अपील पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने वर्किंग को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। अब कोर्ट के हर विभाग का स्टाफ दो दिन वर्क फ्रॉम होम पर रहेगा। सभी जज कार पूल करेंगे। रजिस्ट्री से जुड़ा 50 फीसदी स्टाफ भी घर से काम करेगा।

सोमवार, शुक्रवार और मिसलेनियस डे (जो दिन पहले से तय नहीं होते) पर लिस्ट मामलों की सुनवाई केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। इसके अलावा कोर्ट के अन्य वर्किंग डे में भी सुनवाई ऑनलाइन ही की जाएगी।

कोर्ट ने रजिस्ट्री विभाग को निर्देश दिया है कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग लिंक समय पर भेजें और टेक्निकल सपोर्ट हर समय उपलब्ध रहे, जिससे अदालत की कार्यवाही प्रभावित न हो। सुप्रीम कोर्ट सचिव जनरल भारत पराशर ने इस संबंध नें सर्कुलर जारी किया है।

पीएम की अपील का राज्यों पर भी असर

पीएम मोदी की पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील का असर देश के राज्यों में भी दिखने लगा है। शुक्रवार को केरलम के सीएम बनने जा रहे वीडी सतीशन पद संभालने से पहले ही अपने काफिले में केवल तीन गाड़ियां रखने का फैसला किया है, जिसमें सिर्फ एक पायलट और एक एस्कॉर्ट वाहन चलेगा। एक दिन पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गुरुवार को स्स्ट शपथ ग्रहण समारोह के लिए बाइक से विधान भवन पहुंचे थे। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पेट्रोल-डीजल की बचत के लिए नए आदेश जारी किए। अब दिल्ली में सरकारी कर्मचारी हफ्ते में 2 दिन 'वर्क फ्रॉम होम' करेंगे। 50% सरकारी बैठकें ऑनलाइन होंगी और कोई भी मंत्री 1 साल तक विदेशी दौरे पर नहीं जाएगा। त्रिपुरा में ग्रुप ष्ट और ष्ठ के सिर्फ 50% सरकारी कर्मचारी ही रोज ऑफिस आएंगे।

सीजेआई बोले- बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान देश के बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच कहा। उन्होंने कहा- कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने शुक्रवार को एक वकील की याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उसने सीनियर एडवोकेट का दर्जा पाने मांग की थी। बेंच ने वकील को फटकार लगाते हुए कहा- समाज में पहले से ही पैरासाइट (परजीवी) हैं, जो सिस्टम पर हमला करते हैं। बेंच ने कहा कि दुनिया में हर कोई सीनियर बनने के योग्य हो सकता है, लेकिन आप इसके हकदार नहीं हैं। अगर आपको दिल्ली हाईकोर्ट ने सीनियर एडवोकेट बना भी दिया, तो सुप्रीम कोर्ट आपके व्यवहार को देखते हुए उस फैसले को रद्द कर देगा।

नीट अगले साल से ऑनलाइन होगी

इस साल रद्द हुई परीक्षा 21 जून को, यह पेपर-पेंसिल से होगी; सरकार ने माना- पेपर लीक हुए

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

अगले सत्र से नीट-यूजी परीक्षा ऑनलाइन होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने माना कि 3 मई को हुई नीट-यूजी-2026 की परीक्षा के पेपर लीक हुए थे। उन्होंने कहा, 'हम नहीं चाहते थे कि कोई गलत कैंडिडेट सिलेक्ट हो जाए। इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। अब यह परीक्षा रविवार 21 जून को होगी। 7 मई को गड़बड़ी का पता चला था। एनटीए ने सरकार को बताया। फिर 12 मई को रीएग्जाम का फैसला लिया गया।'

शिक्षा मंत्री ने कहा, 'रीएग्जाम में छात्रों को 15 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा। छात्र रीएग्जाम में अपनी पसंद का सेंटर चुन पाएंगे।' इससे पहले 3 मई को यह एग्जाम देश के 551 और विदेशों के 14 शहरों में हुई था। इसके लिए 5400 से ज्यादा एग्जाम सेंटर्स बनाए गए थे। सीबीआई ने इस मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 5 यानी राजस्थान से पकड़े गए मांगी लाल बिंवाल, जमवारामगढ़ के भाई दिनेश बिंवाल, बेटा विकास बिंवाल, हरियाणा के गुरुग्राम के रहने वाले यश यादव और नासिक से शुभम खैरनार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, छात्रों के आने-जाने के लिए राज्यों से बात करूंगा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, 'राधाकृष्ण समिति की सिफारिशों का पालन करने के बावजूद यह उल्लंघन कैसे हुआ। ऐसे में सरकारी मशीनरी यह सुनिश्चित करेगी कि इस बार कोई अनियमितता न हो। मंत्री के रूप में, अभिभावक के रूप में, अधिकारी के रूप में हमें परीक्षा रद्द करने का कठिन निर्णय लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि हमें सुधारों के लिए कई सुझाव मिले हैं। हम इस पर काम कर रहे हैं। एनटीए का गठन सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार हुआ था। इसके अलावा मैं उम्मीदवारों के परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों से बात करूंगा।

चीन होर्मुज खोलने में मदद को तैयार: ट्रम्प

ईरान ने होर्मुज के लिए नए प्रोटोकॉल जारी किए, ब्रिक्स से अमेरिका की निंदा की अपील

वॉशिंगटन डीसी | एजेंसी
rashtrabaan.in

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को दावा किया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने होर्मुज को खुला रखने में मदद की पेशकश की है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि शी जिनपिंग चाहते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता हो जाए। ट्रम्प के मुताबिक, शी जिनपिंग ने कहा कि अगर मैं किसी तरह मदद कर सकता हूं, तो मैं मदद करना चाहूंगा। चीन बड़ी मात्रा में ईरानी तेल खरीदता है, इसलिए उसकी भी दिलचस्पी है कि होर्मुज खुला रहे।

उन्होंने कहा, जो देश इतना ज्यादा तेल खरीदता है, उसका जाहिरतौर पर ईरान के साथ रिश्ता होता है। चीन चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट खुला रहे। वहीं, ईरान ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों को ईरान की निगरानी और मंजूरी से गुजरना पड़ रहा है। उन्होंने ब्रिक्स देशों से अपील की है कि वो अमेरिका और इजराइल की निंदा करें।

ट्रम्प का दावा- ईरान के ज्यादातर मिसाइल लॉन्चर तबाह

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन रिपोर्टों को फेक न्यूज बताया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान के पास अब भी बड़ी संख्या में मिसाइल लॉन्चर मौजूद हैं। एयर फ़ोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिकी हमलों में ईरान के मिसाइल लॉन्चरों को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हम उन्हें पिनाटा की तरह निशाना बना रहे थे।

राष्ट्रपति अल नाहयान के साथ बैठक में फैसला, मोदी के प्लेन को एफ-16 फाइटर जेट से सुरक्षा

भारत-यूएई के बीच एलपीजी सप्लाई पर समझौता

दुबई | एजेंसी
rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई दौरे पर पहुंचे हैं। अबूधाबी पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूएई एयरफोर्स के एफ-16 फाइटर जेट्स ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों देशों के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर अहम समझौता हुआ। इसके अलावा स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व, रक्षा सहयोग और वडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर से जुड़े एमओयू भी साइन किए गए। यूएई ने भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश और वेस्ट एशिया के हालात पर चर्चा की।

मोदी बोले- हर हालात में यूएई के साथ खड़ा है भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बातचीत में कहा कि भारत हर परिस्थिति में यूएई के साथ मजबूती से खड़ा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच पीएम मोदी ने कहा कि भारत और यूएई के रिश्ते बेहद मजबूत हैं। उन्होंने यूएई को अपना 'दूसरा घर' बताते हुए गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने कहा, 'मैं इस शानदार स्वागत के लिए दिल से आभार जताता हूं।' उन्होंने यह भी कहा कि यूएई एयर फोर्स के लड़ाकू विमानों द्वारा उनके विमान को एस्कॉर्ट किया जाना भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है।

मोदी का यूएई दौरा खत्म, नीदरलैंड के लिए रवाना हुए

प्रधानमंत्री मोदी का यूएई दौरा खत्म हो गया हैं। उनका यह दौरा केवल करीब 180 मिनट का था। इस दौरे में भारत और यूएई के बीच कई समझौतों पर सहमति बनी। इसमें एलपीजी सप्लाई और ऊर्जा समझौता सबसे अमह माना जा रहा है। इसके अलावा, पीएम मोदी और यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई जिसमें पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बारे में भी बात हुई। पीएम 15 से 17 मई तक (3 दिन) नीदरलैंड दौरे के लिए रवाना हो गए हैं। यह दौरा भारत और नीदरलैंड के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत बनाने के लिहाज से काफी अहम है।

मृदा परीक्षण, मृदा उर्वरता का महत्वपूर्ण औजार

मिट्टी परीक्षण क्या है

खेत की मिट्टी में पौधों की समुचित वृद्धि एवं विकास हेतु आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्ध मात्राओं का रसायनिक परीक्षणों द्वारा आकलन करना साथ ही विभिन्न मृदा विकास जैसे मृदा– लवणीयता, क्षारीयता एवं अम्लीयता की जांच करना मिट्टी परीक्षण कहलाता है ।

मिट्टी परीक्षण की आवश्यकता

पौधों की समुचित वृद्धि एवं विकास के लिये सर्वमान्य रूप से सोलह पोषक तत्व आवश्यक पाये गये हैं। यह अनिवार्य पोषक तत्व है। कार्बन, हाइड्रोजन, आक्सीजन, नत्रजन, फॉस्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्नीशियम एवं सल्फर इन पोषक तत्वों मे से प्रथम तीन तत्वों को पौधे प्राय: वायु व पानी से प्राप्त करते हैं तथा शेष 13 पोषक तत्वों के लिये ये भूमि पर निर्भर होते हैं। सामान्यत: ये सभी पोषक तत्व भूमि में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध रहते हैं। परन्तु खेत में लगातार फसल लेते रहने के कारण मिट्टी से इन सभी आवश्यक तत्वों का ह्रास निरन्तर हो रहा है ।असन्तुलित पौध पोषण की दशा में फसलो की वृद्धि समुचित नहीं हो पाती तथा पौधों के कमजोर होने एवं रोग व्याधि, कीट आदि से ग्रसित होने की

सम्भावना अधिक रहती है। परिणामस्वरूप फसल उत्पादन कम होता है इसके अतिरिक्त उर्वरक भी काफी महंगे होते जा रहे हैं। अत: इन पोषक तत्वों को खेत में आवश्यकतानुरूप ही उपयोग करना जिससे खेती लाभदायक बन सकती है। खेतों में उर्वरक डालने की सही मात्रा की जानकारी मिट्टी परीक्षण द्वारा ही प्राप्त की जा सकती है ।अत: मिट्टी परीक्षण उर्वरकों के सार्थक उपयोग एवं बेहतर फसल उत्पादन हेतु नितान्त आवश्यक है ।

मृदा परीक्षण के उद्देश्य

मृदा परीक्षण के निम्नलिखित उददेश्य है।

- मृदा में आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा ज्ञात करना।
- मृदा परीक्षण के आधार पर फसलों के लिए संस्तति देना।
- मृदा परीक्षण के आधार पर क्षेत्रों का मूल्यांकन करना तथा उनका उर्वरता के आधार पर मानचित्र तैयार करना।
- समस्या ग्रस्त भूमियों के लिये मृदा सुधारकों की सही–सही मात्रा का निर्धारण करना।

मृदा नमूने की गहराई

मृदा नमूने की गहराई फसल के प्रकार, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला की सलाह एवं कृषि पद्धतियों (ट्रेक्टर या हल से जुताई) पर निर्भर करती है। सामान्यत: सही गहराई वह होती है जहां तक पौधों की जड़ों को अधिकांशत: पोषण प्राप्त होता है। जो कि फसलों के अनुसार अलग–अलग होती है। मृदा परीक्षण के लिए 0–15 से.मी. तक गहराई से नमूने एकत्र किये जाते है। परंतु ट्रैक्टर आदि से जुताई गहरी होती है तो 0–20 सेमी तक की गहराई से नमूने लिये जाते हैं। अनाज, सब्जी व फूलों की खेती के लिये नमूना 15 सेमी. की गहराई से लेना चाहिए। गहरी जड़ वाली फसलों के लिये नमूने की गहराई एक फिट तक होती है। चारागाह घास के मैदान हेतू नमूना 10 सेमी. की गहराई पर लें। समस्याप्रद मृदाओं जैसे अम्लीय क्षारीय लवणीय मृदाओं में नमूना 0–15 सेमी. के अन्तर पर 1 मीटर तक लेना चाहिए। बागों में मृदा नमूने 15–15 सेमी गहरी पर्तो से अलग–अलग लेना ठीक रहता है। समस्याग्रस्त मिट्टियों में ऐसे स्थानों से अलग नमूना लेना चाहिए जहां फसल की वृद्धि अन्य स्थानों से कम हो अथवा पोषक तत्वों की कमी के लक्षण विधमान है। साथ ही उस स्थान से भी अलग नमूना लेना चाहिए, जो इस समस्याग्रस्त स्थान से लगा हुआ है ऐसे सभी नमूने अलग–अलग एकत्र करने चाहिए। ऊसर भूमियों में भौतिक रूप से अलग दिखाई देने वाले सभी स्थानों से प्राथमिक नमूने लेने चाहिए और प्रत्येक प्रकार का प्रतिशत क्षेत्रफल मालूम करना चाहिए। कंकड़ या कड़ी परत के नमूने भी अलग से एकत्र करने चाहिए, ताकि मिटटी के भिन्न–भिन्न अवयवों को भली– भांति जांच करके सिफारिश दी जा सके।

नमूना एकत्र करने की विधि

- जिस खेत में नमूना लेना हो उसमें जिग–जैग प्रकार से घूमकर 10–15 स्थानों पर निशान बना ले जिससे खेत के सभी हिस्से उसमें शामिल हो सकें।
- चुने गये स्थानों पर ऊपरी सतह से घास–फूस, कूड़ा–करकट आदि हटा दे।
- इन सभी स्थानों पर 15 सें.मी. (6 –9 इंच) गहरा वी आकार का गङ्ढा खोदे ।गड्डे को साफ कर खुरपी से एक तरफ ऊपर से नीचे तक 2 से.मी. मोटी मिट्टी की तह को निकाल ले तथा साफ बाल्टी या ट्रे में डाल लें।
- एकत्रित की गई पूरी मिट्टी को हाथ से अच्छी तरह मिला लें तथा साफ कपड़े पर डालकर गोल ढेर बना लें । अंगूली से ढेर को चार बराबर भागों की मिट्टी अलग हटा दें ।अब शेष दो भागों की मिट्टी पुन: अच्छी तरह से मिला लें व गोल बनाये। यह प्रक्रिया तब तक दोहराये जब तक लगभग आधा किलो मिट्टी शेष रह जायें। यही प्रतिनिधि नमूना होगा।
- सूखे मिट्टी नमूने को साफ प्लास्टिक थैली में रखे तथा इसे एक कपड़े की थैली में डाल दें ।नमूने के साथ एक सूचना पत्रक जिस पर समस्त जानकारी लिखी हो एक प्लास्टिक की थैली में अन्दर तथा एक कपड़े की थैली के बाहर बांध दें ।
- अब इन तैयार नमूनों को मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला भेजे।

निम्न जानकारी लिखा हुआ सूचना पत्रक नमूनों के साथ रखे एवं ऊपर बांधे–

कृषक का नाम, पिता का नाम, ग्राम/मोहल्ला, डाकघर, विकासखण्ड/तहसील, जिला, खेत का खसरा नम्बर/सर्वे, पहचान, सिंचित/असिंचित, पहले ली गई फसल एवं मौसम, आगे ली जाने वाली फसल एवं, मौसम–, नमूना लेने वाले का नाम/हस्ता. एवं दिनांक, मिट्टी संबंधी अन्य विशेष समस्या ।

सावधानियां

- खाद के गडढे, मेंढ़ तथा वृक्षों के नीचे से नमूना एकत्र नहीं करना चाहिए।
- तैयार नमूना कभी खुला नहीं छोड़ना चाहिए
- मृदा नमूना खेत के उस स्थान से नहीं लेना चाहिए जहां पर उर्वरकों का बोरा रखा गया हो क्योंकि वहां पर उर्वरक का कुछ न कुछ भाग जरूर गिर जाता है।
- अगर किसी खेत की मृदा परीक्षण पहले किसी प्रयोग शाखा में हो चुका है तो उसका विवरण भी देना आवश्यक है।
- मृदा नमूनों को उर्वरकों के बोरों के पास नहीं रखना चाहिए।
- मृदा नमूनों को उर्वरकों के बोरों के ऊपर नहीं सुखाना चाहिए।
- नमूना जिस गहराई से लिया जाय, वह नमूने के पैकेट पर अंकित होना चाहिए।

मृदा उर्वरता में कमी के कारण

- मृदा में लगातार खेती होने एवं पर्याप्त खाद उर्वरकों का प्रयोग न किया जाना।
- मृदा में जैवांश जैविक कार्बन का लगातार घटता स्तर ।
- प्रयोग किये जा रहे उर्वरकों के उपयोग क्षमता का कम होना।
- मृदा क्षरण से पोषक तत्वों का धीरे–धीरे ह्रास।
- उर्वरकों का असंतुलित प्रयोग।
- देश के विभिन्न भाग में उर्वरकों के प्रयोग में असमानता।
- सघन खेती का प्रचलन, जिससे एक साथ कई पोषक तत्वों की कमी होना।
- मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग न होना।

उर्वरता बनाये रखने के लिये सुझाव

- उर्वरकों का प्रयोग हमेशा मृदा परीक्षण के आधार पर एवं फसल विशेष की संस्तुति के अनुसार ही करें।
- उर्वरक प्रबन्धन एक फसल में न करके पूरे फसल चक्र में अपनाएं।
- फसल चक्र में हरी खाद, फसलों के अवशेष तथा दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें।
- दलहनी फसलों में जैविक उर्वरकों का प्रयोग अवश्य करें।
- फसल चक्र में फसलों का चुनाव इस प्रकार करें कि प्रथम फसल से बचे हुये पोषक तत्वों का सही उपयोग हो सके एवं मृदा से पोषक तत्वों का सही अवशोषण हो सके।
- उर्वरकों का प्रयोग हमेशा संतुलित रूप में करें जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता में वृद्धि हो सकें।
- सघन खेती में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन अपनाएं जिसमें उर्वरकों के साथ गोबर की खाद, हरी खाद, फसल अवशेषों एवं जैविक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता है।
- नत्रजन उर्वरकों का प्रयोग कई बार में करें। फास्फोरस का प्रयोग रबी वाली फसलों में करें। फसल चक्र के साथ उर्वरक चक्र भी अपनाये जिससे सही उर्वरक उपयोग क्षमता आ सकें।
- उर्वरकों का प्रयोग सही समय, सही विधि एवं सही साधन से करें।

अत: संक्षिप्त में हम यहां कह सकते हैं कि मृदा की उर्वरता हमारी सबसे महत्वपूर्ण पूंजी है। अगर स्वस्थ मृदा, होगी तो हम अधिक अन्न उपजा सकेंगे और बढ़ती जनसंख्या तथा घटते हुये खा्द्य उत्पादन के बीच सन्तुलन स्थापित कर सकेंगे।

कामलिया कीट से बचें

आक्रमण कब और कैसे होता है-

यह कीट खाखरा, दुधी, मोथा, पोखर, नदी, नालों के पास लगी पत्तियों एवं सूखी पत्तियों पर बहुतायत में अंडे देता है। अण्डों से लगभग 2–3 दिन में इल्लियां बाहर आकर पौधों की पत्तियों को नुकसान पहुंचाती हैं एवं इस प्रकार इसका फसलों पर आक्रमण शुरू हो जाता है।

पोषक पौधे एवं हानि: यह कीट बहु फसल भक्षी कीट है। इसका आक्रमण मक्का, ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंग, चवला, तिल, सन, सोयाबीन आदि फसलों पर होता है। परंतु सन, उड़द, मूंग, चवला, सोयाबीन आदि फसलों पर अपेक्षाकृत ज्यादा प्रकोप होता है। जिससे फसल पूर्णत: नष्ट हो जाती है। फसलों के अलावा इसका प्रकोप बेर, बेशरम, आंकडा, धतूरा, खिरनी, काचरी आदि पर भी होता है।

जैविक नियंत्रण

- *नीम तेल 75 मिली प्रति पंप के साथ 15 लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करें।*
- *नीम की पत्तियों को 10 गुना पानी में 4–5 दिन छांव में रखें। पानी का रंग हरा पीला हो जाने पर 1 लीटर प्रति पंप के हिसाब से स्प्रे करें।*
- *एक किलो नीम के पत्ते 3 लीटर पानी में डालकर उबाल लें, जब आधा घोल रह जावे तब उसे छानकर 150 लीटर पानी में घोलकर तैयार करें।*
- *आधा किलो हरी मिर्च व लहसुन पीसकर 150 लीटर पानी में डालकर छान लें तथा एक एकड़ के लिये इस घोल का छिड़काव करें।*

यांत्रिक नियंत्रण

- *खेत की मेड़ के पास चारों ओर एक फीट चौड़ी तथा डेढ़ फीट गहरी खाई खोद लें।*
- *इसमें से इल्ली निकल नहीं पायेंगी। एक बाल्टी में 3/4 भाग पानी भरकर 4 मिली घासलेट डालकर थोड़ी देर बाद नाली में ही डाल दें, तब इल्ली मर जावेगी।*
- *संभव हो तो इसी नाली में वर्षा का पानी रोकें तथा उसमें थोड़ा–थोड़ा घासलेट नाली के एक सिरे से दूसरे सिरे तक डाल दें। तब इल्ली मर जावेगी।*
- *जंगल तरफ से रेंगती इल्लियों को काठी के झाडू से या लकड़ी (पिराने) से पीट–पीट कर नष्ट कर दें।*
- *खेत की मेढ़ों के पलाश के पौधे फेंके ताकि कीट की इल्ली की पंखी अंडे नहीं दे सकें। यह पौधा कीट के लिये सबसे प्रिय होता है।*
- *रात को खेत में अलाव जलावें। इससे इस इल्ली की नर/ मादा पंखी उड़कर आयेगी और आकर नष्ट हो जायेगी।*
- *इल्लियों को हाथ से चुन–चुन कर एक छोटी बाल्टी में पानी भरकर उसमें 5 मिली घासलेट डालकर उसमें डूबा दे इल्ली मर जायेगी।*
- *प्रारंभिक अवस्था में जब इल्लियां पत्तियों पर समूह में रहती हैं। तब उन्हें पत्तियों सहित तोड़कर नष्ट कर दें।*
- *इस कीट के व्यस्क प्रकाश प्रपंच की ओर आकर्षित होते हैं। अत: प्रकाश प्रपंच लगायें।*

रसायनिक नियंत्रण

- *क्विनालफॉस 1.5 प्रतिशत या मिथाईल पैराथियान 2 प्रतिशत 25 किलो प्रति हेक्टर की दर से भुरकाव करें।*
- *क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी 1250–1500 मिली प्रति हेक्टर की दर से छिड़काव करे या*
- *मेढ़ों तथा बंधानों को भी सुझाई गई दवा मात्रा से उपचारित करें।*

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 16 मई 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

खाकी के साये में हरे सोने की डकैती

कटंगी में रक्षक ही बने भक्षक, सागौन की तस्करी के बाद सबूतों को फूँका!

कटंगी| संवाददाता
rashtrabaan.in

दक्षिण वन मंडल सामान्य के कटंगी परिक्षेत्र से रूह कंपा देने वाली वन-लूट की दास्तां सामने आई है, जहाँ जंगल की हिफाजत की कसम खाने वाले हाथ ही कुल्हाड़ी थामे नजर आ रहे हैं। कन्हड़गांव सर्किल के अंबेझरी बीट 570 में वन संपदा की सरेआम नीलामी का यह घिनौना खेल वनरक्षक संतोष चौबे और उनके दो प्यादों चौकीदारों ने मिलकर खेला है। भ्रष्टाचार की दीमक ने यहाँ के बेशकीमती सागौन को इस कदर खोखला किया कि रातों-रात कटंगी का हरा सोना सरहद पार कर पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के बाजारों की रौनक बन गया।

इनका कहना है

निरीक्षण के दौरान हमें जंगल में अवैध कटाई के साक्ष्य (टूँठ) मिले हैं। जांच में सामने आया है कि वनरक्षक द्वारा ही सागौन की कीमती लकड़ी को अवैध रूप से महाराष्ट्र में बेचा गया है। मैंने तुरंत जांच प्रतिवेदन और पंचनामा तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को सौंप दिया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है, और आगे की कार्रवाई अधिकारियों के निर्देशानुसार तय होगी।

-ओमप्रकाश जगने, वनपाल दक्षिण वन मंडल सामान्य परिक्षेत्र कटंगी

पाप को छिपाने के लिए खाक किया जंगल

सागौन की इस बड़ी खेप को ठिकाने लगाने के बाद, सुबूत मिटाने के लिए वनरक्षक ने जो चाल चली वह किसी फिल्मी विलेन से कम नहीं थी। पेड़ों के कत्लेआम के बाद जमीन पर बचे ठूंठ चिल्ला-चिल्लाकर गवाही न दे दें, इसलिए उन्हें बेरहमी से आग के हवाले कर दिया गया। राख के ढेर के नीचे भ्रष्टाचार के सबूतों को दफनाने की यह कोशिश विभागीय मिलीभगत की ओर साफ इशारा करती है। हालांकि वनपाल ओमप्रकाश जगने की सक्रियता से यह काला चिट्ठा उजागर तो हुआ, लेकिन वन विभाग के गलियारों में अब भी जांच का वही पुराना और घिसा-पिटा नाटक खेला जा रहा है जो अक्सर बड़े मगरमच्छों को बचाने के लिए रचा जाता है।

फाइलों में कैद न्याय और अधिकारियों की जुमलाबाजी

परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढ़ार का जांच जारी है वाला रटा-रटाया बयान ग्रामीणों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। यह कोई पहली बार नहीं है जब कटंगी के जंगलों को विभागीय संरक्षण में लूटा गया हो; यहाँ की फाइलों में भ्रष्टाचार की ऐसी कई कहानियां धूल फांक रही हैं। दक्षिण वन मंडल में डकैती और तस्करी के पुराने मामले ठंडे बस्ते के हवाले कर दिए गए, जिससे स्पष्ट है कि यहाँ कानून के हाथ नहीं, बल्कि भ्रष्ट तंत्र की जेबें लंबी हैं। यदि इस बार भी उच्चाधिकारियों ने मौन धारण किया, तो वह दिन दूर नहीं जब कटंगी के जंगल केवल कागजों पर हरे-भरे रह जाएंगे। जनता अब इस मैनेजमेंट के खेल को बंद कर दोषियों को सलाखों के पीछे देखने के लिए उग्र हो रही है।

तस्करों की जेबें गरम हुई, तो पीछे छूट गए बस वीरान होते जंगल और रक्षक की वर्दी पर लगा वो दाग, जिसे अब धोने की कोशिश भी नहीं की जा रही है।

ईंधन बचत की ओर बढ़ा बालाघाट प्रशासन

अधिकारियों ने वाहन शेयर कर दिया जिम्मेदार नागरिक का संदेश

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं ईंधन बचत को लेकर किए जा रहे आव्हान का सकारात्मक प्रभाव अब प्रशासनिक कार्यप्रणाली में भी दिखाई देने लगा है। बालाघाट जिला प्रशासन के अधिकारियों ने स्वयं पहल करते हुए वाहन शेयरिंग अपनाकर समाज को एक प्रेरणादायी संदेश दिया है।

अपर कलेक्टर जी. एस. धुर्वे एवं डी.पी. बर्मन पहले प्रतिदिन अपने-अपने अलग वाहनों से कार्यालय पहुंचते थे। लेकिन बढ़ती ईंधन खपत, पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता तथा प्रधानमंत्री के 'ईंधन बचत' संदेश से प्रेरित होकर दोनों अधिकारियों ने अब वाहन शेयर करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में दोनों अधिकारी आज एक ही वाहन से कार्यालय पहुंचे।

यह पहल केवल ईंधन बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता का भी उदाहरण बनकर सामने आई है। वाहन शेयरिंग से न केवल पेट्रोल-डीजल की बचत होगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में कमी आने से पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा। प्रशासनिक अधिकारियों की यह छोटी लेकिन प्रभावशाली पहल आम नागरिकों को भी जागरूक करने का कार्य कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि यदि लोग छोटी-छोटी आदतों में बदलाव लाएं, तो बड़े स्तर पर ऊर्जा संरक्षण संभव है। कार्यालय आने-जाने में वाहन शेयरिंग अपनाकर लोग ईंधन की बचत के साथ-साथ ट्रैफिक और प्रदूषण को भी कम कर सकते हैं।

बालाघाट प्रशासन की यह पहल इस बात का संदेश देती है कि परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से करने पर ही समाज में सकारात्मक बदलाव संभव होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अपील को व्यवहार में उतारते हुए अधिकारियों द्वारा उठाया गया यह कदम निश्चित रूप से दूसरों के लिए भी प्रेरणा बनेगा।

कोयलारी के खौफनाक जंगल में मिला मंगलसूत्र वाली लाश का कंकाल, इलाके में दहशत!

कहीं मर्डर और दरिंदगी का शिकार तो नही?

कटंगी| संवाददाता
rashtrabaan.in

कटंगी-तिरोड़ी के कोयलारी के घने और डरावने जंगलों से शुक्रवार की सुबह जब मौत की सड़न वाली गंध उठी, तो पूरा इलाका दहल गया। जंगल के सन्नाटे को चीरते हुए यह खबर आग की तरह फैल गई कि वहां एक महिला की लाश मिली है, जो अब सिर्फ हड्डियों का एक ढांचा मात्र रह गई है। लाश इस कदर सड़ चुकी है कि उसे देखना भी रूह

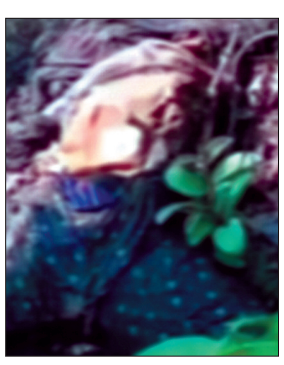

कंपा देने वाला है। चेहरे का मांस गलकर खत्म हो चुका है और कीड़ों ने शरीर को अपनी गिरफ्त में ले लिया है, जिससे पहचान का नामोनिशान मिट चुका है। पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स जब खोजी कुत्तों के साथ मौके पर पहुंचे, तो वहां का मंजर देखकर अनुभवी अफसरों के भी माथे पर पसीना आ गया। करीब 8 दिनों से यह लाश गुमनामी के अंधेरे में वहां पड़ी-पड़ी कंकाल बन रही थी।

जांच के दौरान पुलिस के हाथ जो सबसे बड़ा सुराग लगा है, वह है मृतिका के गले में लिपटा एक आर्टिफिशियल मंगलसूत्र। इस सुहाग की निशानी ने साफ कर दिया है कि मरने वाली कोई बदनसीब विवाहित महिला थी, लेकिन उसका सुहाग उजाड़ने वाला कौन है, यह अब भी एक गहरा राज बना हुआ है। क्या वह महुआ चुनने या लकड़ियां बीनने आई थी और किसी खूंखार तेंदुए या बाघ का निवाला बन गई? या फिर यह किसी शातिर दिमाग की नृशंस साजिश है, जिसने कत्ल के बाद सबूत मिटाने के लिए लाश को इस वीराने में फेंक दिया? पुलिस अब गुमशुदगी की फाइलों को पागलों की तरह खंगाल रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है, जो इस 'कंकाल' के सीने में दफन मौत के असली सच से पर्दा उठाएगी। फिलहाल, कोयलारी के इस खूनी जंगल के डर ने ग्रामीणों की रातों की नींद हराम कर दी है।

2588 किसानों से 75 हजार 700 क्विंटल गेहूँ की हुई खरीदी

बालाघाट। समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए जिले के 4388 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। 15 मई तक जिले के 2588 किसानों से 75 हजार 700 क्विंटल गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। किसानों को 11 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक की राशि का भुगतान कर दिया गया है। जिला आपूर्ति अधिकारी आर के ठाकुर ने बताया कि बालाघाट जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन कराने वाले 4388 किसानों में से 2912 किसानों ने गेहूँ विक्रय के लिए अपना स्लाट बुक कराया है।

कलेक्टर ने की नगरीय निकायों के विकास कार्यों की समीक्षा

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्टर मृणाल मीना ने 15 मई को जिले के नगरीय निकाय बालाघाट, वारासिवनी, मलाजखंड, बैहर, कटंगी एवं लांजी के अधिकारियों की बैठक लेकर नगरीय क्षेत्रों में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर एवं शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी राहुल नायक उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता सर्वेक्षण की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि बैहर एवं कटंगी में स्वच्छता सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, जबकि अन्य निकायों में इसकी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कलेक्टर श्री मीना ने निर्देश दिए कि इस वर्ष सभी निकायों की रैंकिंग में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सर्वेक्षण तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे वर्ष नियमित रूप से जारी रहनी चाहिए। साथ ही प्लास्टिक एवं अन्य कचरे के उचित निस्तारण और सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में पीएम स्वनिधि योजना के प्रकरणों की समीक्षा की गई।

अमृत 2.0 योजना एवं जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा

अमृत 2.0 अभियान के अंतर्गत वाटर सप्लाई योजनाओं की समीक्षा में पाया गया कि बालाघाट में कार्यों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, जबकि कटंगी एवं लांजी में कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। कलेक्टर श्री मीना ने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल आपूर्ति योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराया जाए। इसके साथ ही वर्षा ऋतु शुरू होने से पहले नालियों एवं नालों की सफाई सुनिश्चित करने और जलभराव की स्थिति न बनने देने के निर्देश दिए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में ग्रीन एरिया विकसित करने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक नगरीय क्षेत्र में दो-दो तालाबों के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य करने को कहा गया।

आवास योजना एवं श्रमिक पंजीयन के निर्देश

आवास योजना की समीक्षा के दौरान नगरीय निकायों में निर्मित आवासों को शीघ्र हितग्राहियों को आवंटित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी निकायों को अपने क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों का पीएम श्रमयोगी मानधन योजना में पंजीयन कराने के निर्देश भी दिए गए।

जनजातीय महोत्सव में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

महिलाओं और बच्चों की हुई जांच, कुपोषित बच्चों को वितरित की गई पोषण किट

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता के मार्गदर्शन में 15 मई शुक्रवार को नगर परिषद बैहर के टाउन हॉल में जनजातीय महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता रही।

महोत्सव के दौरान स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जिसमें उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने महिलाओं को पोषण, स्वच्छता एवं बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम ने आंगनवाड़ी केन्द्रों के कुपोषित बच्चों को पोषण किट वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि बच्चों एवं माताओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना शासन की प्राथमिकता है तथा ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जनजातीय महोत्सव के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाई गई।

अवैध गिट्टी परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई

तिरोड़ी के बोथवा में हाइवा डंपर जब्त, थाना तिरोड़ी में रखा गया वाहन

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 15 मई 2026 को उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां के मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम ने तहसील तिरोड़ी के ग्राम बोथवा में जांच अभियान चलाया।

जांच के दौरान टीम ने एक हाइवा डंपर क्रमांक छ्त्त-04-छ्ष्ठ-1048 को अवैध रूप से खनिज गिट्टी का परिवहन करते हुए पकड़ा गया है। वाहन की जांच करने पर आवश्यक वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिसके बाद विभागीय अमले ने वाहन को खनिज गिट्टी सहित जब्त कर लिया है। वाहन चालक की पहचान आशीष वाघाडे पिता चम्बरू वाघाडे निवासी ग्राम दरासीकला, तहसील कुरई, जिला सिवनी के रूप में हुई है। जब्त वाहन को अग्रिम कार्रवाई के लिए थाना तिरोड़ी की अभिरक्षा में रखा गया है। कार्रवाई में खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल, खनि सिपाही रजनीश तिवारी एवं दिलशाद कुरैशी शामिल रहे। विभाग द्वारा बताया गया कि उक्त वाहन के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

पीएम श्री योजना ने बदली लांजी की बेटियों की खेल दुनिया

मिट्टी के मैदान से सपनों की उड़ान तक

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के विकासखंड लांजी स्थित शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल लांजी की छात्राओं के लिए खेलकूद कभी आसान नहीं था। विद्यालय में समुचित खेल मैदान नहीं होने के कारण छात्राएं खुले और सुरक्षित स्थान के अभाव में खेल गतिविधियों में पूरी तरह भाग नहीं ले पाती थीं। बरसात के दिनों में मैदान कीचड़ से भर जाता था और गर्मियों में उबड़-खाबड़ जमीन पर खेलना मुश्किल हो जाता था। कई छात्राओं के मन में खेलों में आगे बढ़ने का सपना तो था,

लेकिन संसाधनों की कमी उनके उत्साह को सीमित कर देती थी।

इसी आवश्यकता को समझते हुए पीएम श्री योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक-02 बालाघाट द्वारा विद्यालय परिसर में 5 लाख रुपये की लागत से बैडमिंटन एवं लॉन्ग जंप खेल मैदान का निर्माण कराया गया। खेल मैदान तैयार होने के बाद विद्यालय का वातावरण पूरी तरह बदल गया है। अब छात्राएं नियमित रूप से खेल अभ्यास कर रही हैं और विद्यालय में खेल गतिविधियों को नया उत्साह मिला है।

विद्यालय की छात्राओं का कहना है कि पहले खेलकूद केवल वार्षिक कार्यक्रमों तक सीमित रहता था, लेकिन अब प्रतिदिन अभ्यास का अवसर मिल रहा है। खेल मैदान समतल और सुरक्षित होने से छात्राएं बिना किसी डर के खेल पा रही हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और टीम भावना, अनुशासन तथा नेतृत्व क्षमता का भी विकास हो रहा है।

विद्यालय के शिक्षकों के अनुसार खेल मैदान बनने के बाद छात्राओं की विद्यालय में रुचि बढ़ी है। नियमित खेल गतिविधियों से विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। पढ़ाई के साथ खेलों में भागीदारी से छात्राओं की एकाग्रता भी बढ़ी है और वे अधिक उत्साह के साथ विद्यालय आ रही हैं।

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री मनोज धुर्वे ने बताया कि यह खेल मैदान केवल खेल का स्थान नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के सपनों को नई दिशा देने वाला मंच बन गया है। अब छात्राओं को जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए बेहतर तैयारी का अवसर मिल रहा है।

विस्फोटक अधिनियम के तहत जिले में संयुक्त जांच एवं निरीक्षण अभियान जारी

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर के निर्देशानुसार जिले में सुरक्षा व्यवस्था एवं विधि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विस्फोटक अधिनियम के तहत सघन जांच एवं निरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित विस्फोटक भंडारण केंद्रों, लाइसेंस धारकों के प्रतिष्ठानों एवं गोदामों का निरीक्षण कर स्टॉक की चेकिंग एवं भौतिक सत्यापन की कार्रवाई की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त टीम द्वारा लाइसेंस की वैधता, लाइसेंस की शर्तों के पालन, भंडारित विस्फोटक सामग्री की मात्रा, रिकॉर्ड संधारण एवं स्टॉक रजिस्टर का मिलान किया गया। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि विस्फोटक सामग्री का भंडारण निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं शासन द्वारा तय दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जा रहा है या नहीं।

अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों, सुरक्षा व्यवस्थाओं, चेतावनी संकेतकों, आपातकालीन प्रबंधन व्यवस्था एवं परिसर की सुरक्षा स्थिति का भी अवलोकन किया गया। संबंधित संचालकों को निर्देशित किया गया कि विस्फोटक सामग्री के रख-रखाव, परिवहन एवं उपयोग में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी अभिलेख अद्यतन रखे जाएं। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सार्वजनिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिले में इस प्रकार की संयुक्त जांच एवं निगरानी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

ईव्हीएम वेयर हाउस का कलेक्टर ने किया मासिक निरीक्षण

प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर ने ईव्हीएम वेयर हाउस बींझावाड़ा का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयर हाउस में रखी ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वेयर हाउस में सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए तथा अभिलेखों का नियमित एवं व्यवस्थित संधारण किया जाए। निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस में उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सीएल चनाप सहित अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

शनि जयंती के पर अवसर पूजन अर्जन के साथ सहस्त्रधारा अभिषेक आज

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

सिवनी नगर के प्रथम प्राचीन श्री शनि मंदिर रेलवे क्रॉसिंग छिंदवाड़ा रोड में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री शनि जयंती दिनांक 16 मई को ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष उदया तिथि अमावस्या भरणी नक्षत्र दिन शनिवार को प्रातः पूजन अर्जन के साथ अभिषेक से प्रारंभ होगी।मंदिर व्यवस्थापक जगदीश गुप्ता ने बताया कि सहस्त्रधारा अभिषेक प्रातः 6 बजे शुरू होकर तत्पश्चात श्रृंगार आरती होगी। शाम 4:00 बजे हवन महा आरती के बाद सायं 7:00 बजे से विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। नगर के सभी धर्म प्रेमी बंधु भगिनियों से विनम्र आग्रह है कि अधिक अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ उठाएं।

प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना कार्यों

उपार्जन व्यवस्था एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर जनगणना कार्यों, उपार्जन व्यवस्था एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने जनगणना कार्यों की चार्ज अधिकारवार समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आगामी 2 दिवस के भीतर लंबित कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यों में गुणवत्ता, समय-सीमा एवं डाटा की शुद्धता बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उपार्जन कार्यों की समीक्षा के दौरान प्रभारी कलेक्टर ने सभी उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को उपार्जन केंद्रों में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए पेयजल, छायादार प्रतीक्षालय, बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई, बिजली, तौल व्यवस्था एवं परिवहन संबंधी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करने तथा किसानों की समस्याओं का मौके पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उपार्जित गेंहू के सुरक्षित भंडारण एवं समय पर परिवहन की व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया।

सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा करते हुए प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों का निराकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए सभी अधिकारी शिकायतों के निराकरण में गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उन्होंने विभागवार लंबित प्रकरणों की जानकारी लेकर शिकायतों के शीघ्र एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक शिकायतकर्ता से संवाद स्थापित कर उनकी समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। अधिकतम शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण हेतु शनिवार एवं रविवार को कार्यालयों में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने अधिकारियों से फील्ड स्तर पर भी सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए।

एनसीसी कैंप में योगाभ्यास, फायरिंग एवं ऑप्टिकल ट्रेनिंग

छिंदवाड़ा। 24 एमपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अमनजीत सिंह के नेतृत्व में आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में छिंदवाड़ा, सिवनी एवं पांढुर्णा जिलों के 600 एनसीसी कैडेट्स विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता कर रहे हैं। शिविर के तीसरे दिन प्रात :काल पीटी एवं योगाभ्यास आयोजित किया गया।

जिले के 04 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न

हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा संस्कृत विषय में 10 में से 10 परीक्षार्थी रहे उपस्थित

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 अंतर्गत जिले के 10 परीक्षा केन्द्रों में 07 मई 2026 से प्रारंभ होकर 25 मई 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में शुक्रवार 15 मई को हायर सेकेण्डरी परीक्षा के संस्कृत विषय की परीक्षा जिले के 04 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित हुई। परीक्षा में कुल 10 परीक्षार्थी दर्ज थे, जिनमें से 10 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान जिले में नकल प्रकरण निरंक पाया गया।

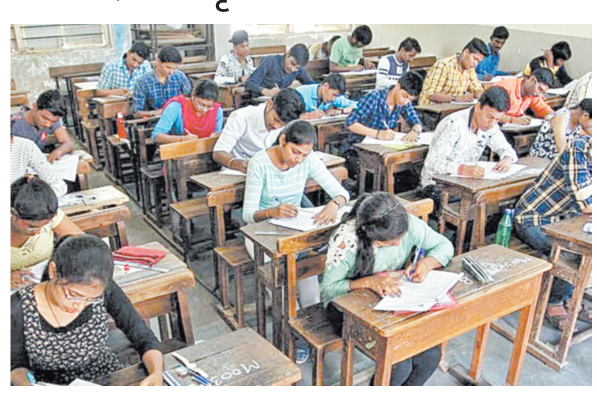

माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 के सुचारु संचालन हेतु कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला सिवनी में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। परीक्षा की निगरानी हेतु गठित जिलास्तरीय उड़नदस्ता दल में सहायक संचालक श्री आर.पी. पाटिल, प्राचार्य श्रीमती सुनीता ओसवाल एवं श्रीमती कल्पना भार्गव द्वारा शासकीय मॉडल बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय सिवनी एवं शासकीय उर्दू उच्च माध्यमिक विद्यालय सिवनी का निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार विकासखंड स्तरीय उड़नदस्ता दलों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्रों के परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा निर्विघ्न, शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से संचालित पाई गई।

'कलासंगम' के वार्षिक उत्सव में नन्हे कलाकारों ने बिखेरी अपनी प्रतिभा की आभा

छिंदवाड़ा। शहर के कला प्रेमियों के लिए आज का दिन अविस्मरणीय रहा, जब मेडिकल कॉलेज के सभागार में कलासंगम इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव एवं भरतनाट्यम वर्कशॉप उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। भारतीय संस्कृति और शास्त्रीय कलाओं के इस अद्भुत संगम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती अनुसुइया उइके (पूर्व राज्यपाल) और विक्रम अहाके (महापौर, उपस्थित रहे। इसके साथ ही विशेष अतिथि के रूप में अनुराधा नायडू ने शिरकत की।

श्रमयोगी मानधन योजना का लाभ ले असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिक

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना अंतर्गत पात्र श्रमिकों के पंजीयन किए जा रहे हैं। योजना के तहत पात्र श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर मासिक पेंशन का लाभ प्रदान किया जाएगा।

योजना का लाभ असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिक जैसे ऑटो एवं रिक्शा चालक, सफाईकर्मी, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, मोची, धोबी, नाई, घरेलू श्रमिक, कृषि कार्य में नियोजित श्रमिक, निर्माण श्रमिक तथा स्वरोजगार से जुड़े मजदूर प्राप्त कर सकते हैं। योजना हेतु पात्रता के अनुसार श्रमिक की आयु 18 वर्ष से कम तथा 40 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। आवेदक ईपीएफ, ईएसआईसी अथवा एनपीएस का लाभार्थी नहीं होना चाहिए तथा आयकर दाता भी नहीं होना चाहिए। साथ ही मासिक आय 15 हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

योजना अंतर्गत श्रमिकों को आयु के अनुसार प्रतिमाह 55 रुपये से 200 रुपये तक अंशदान जमा करना होगा। श्रमिक द्वारा जमा की गई राशि के बराबर अंशदान भारत सरकार द्वारा भी उनके खाते में जमा किया जाएगा।

पंजीयन हेतु श्रमिक का आधार कार्ड, मोबाइल नंबर एवं बैंक खाते की पासबुक आवश्यक होगी। इच्छुक श्रमिक अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) अथवा एमपी ऑनलाइन केंद्र के माध्यम से योजना में पंजीयन करा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए श्रम पदाधिकारी कार्यालय, कलेक्ट्रेट परिसर, कचहरी चौक, पुरातत्व विभाग कक्ष, सिवनी में संपर्क किया जा सकता है।

शांति समिति की बैठक 18 मई को आयोजित होगी

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सिवनी द्वारा आगामी धार्मिक पर्वो एवं आयोजनों को दृष्टिगत रखते हुए शांति समिति की बैठक आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेशानुसार यह बैठक 18 मई 2026 को शाम 5 बजे पुलिस कंट्रोल रूम सिवनी में आयोजित होगी।

बैठक में आगामी ईदुज्जुहा (27 मई), महाराणा प्रताप जयंती (17 जून), कबीर जयंती/छठा उत्सव तथा मोहर्रम आदि पर्वों के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की जाएगी।

बैठक में पुलिस, राजस्व, नगर पालिका, स्वास्थ्य, विद्युत, वन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ शांति समिति के सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों से समय पर उपस्थित होकर आवश्यक समन्वय बनाए रखने की अपील की गई है।

किसानों को 375 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन सुचारू रूप से जारी

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

सिवनी जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। किसानों की सुविधा के लिए जिले में 78 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं, जहां आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

जिले में इस वर्ष 54 हजार 96 किसानों का पंजीयन किया गया है। उपार्जन प्रक्रिया के अंतर्गत अब तक 44 हजार 281 किसानों द्वारा स्लॉट बुकिंग कराई गई, जिनमें से 31 हजार 181 किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय किया है। जिले में अब तक कुल 2 लाख 41 हजार 585.70 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए तौल, परिवहन, भंडारण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। किसानों को भुगतान प्रक्रिया भी लगातार जारी है। अब तक 375.49 करोड़ रुपये की राशि किसानों के खातों में सफलतापूर्वक अंतरित की जा चुकी है। प्रशासन द्वारा उपार्जन कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

बाढ़ राहत कार्यों के लिए इंसिडेंट रिस्पॉस टीम का होगा गठन

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिले में बाढ़ आपदाओं के दौरान विभिन्न विभागों, एजेंसियों के संसाधनों का एकीकृत प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत राहत, खोज एवं बचाओ कार्य संपन्न कराने के लिए जिला एवं तहसील स्तर बाढ़ राहत टीम का गठन के आदेश जारी किए गए हैं।

जारी आदेशानुसार जिला कलेक्टर 'रिस्पोसिबल ऑफिसर के रूप में समग्र प्रभारी होंगे। जिनकी देखरेख में बाढ़ आपदा प्रबंधन हेतु नीति निर्धारण और राज्य सरकार व सेना जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय का कार्य संपन्न होगा। बाढ़ प्रबंधन के लिए 'इंसिडेंट कमांडर' के रूप में श्रीमती अंजली शाह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को सौंपी गई है, जो रणनीति बनाने, सूचना संवर्धन और संसाधनों की पूर्ति के साथ-साथ संपूर्ण राहत एवं बचाव कार्यो का नेतृत्व करेंगी। उनकी सहायता हेतु श्री सी.एल. चनाप, अपर जिला कलेक्टर को 'उप इंसिडेंट कमांडर' नियुक्त किया गया है, कमांडर की अनुपस्थिति में कार्यों का संपादन करने के लिए उत्तरदायी होंगे। मैदानी स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु श्री कृष्ण लाल चंदानी, पुलिस अधीक्षक को 'ऑपरेशन सेक्शन प्रमुख' बनाया गया है, जो सभी कार्यान्वयन एजेंसियों के मध्य समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति करेंगे। सुरक्षा और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी 'सुरक्षा अधिकारी' के रूप में दीपक मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और उमेश्वर ठाकरे को दी गई है, जो प्रभावित क्षेत्रों में संभावित जोखिमों का आकलन करेंगे। राहत शिविरों में भोजन, बिजली और अन्य आवश्यक सुविधाओं का प्रबंधन 'लॉजिस्टिक्स सेक्शन प्रमुख' के रूप में मनोज पुराविया, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी द्वारा किया जाएगा। श्रीमती स्नेहलता पाठ्या, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड को 'नागरिक सुरक्षा' का प्रभार दिया गया है, जिनके नेतृत्व में होमगार्ड के जवान खोज एवं बचाव कार्यों को अंजाम देंगे। जनसंपर्क विभाग के सहायक संचालक राजेश परते को 'सूचना एवं मीडिया अधिकारी' नामित किया गया है, जो प्रेस ब्रीफिंग, आधिकारिक प्रेस रिलीज जारी की । करने और आपदा सूचना केंद्रों की स्थापना हेतु जिम्मेदार होंगे। चिकित्सा सेवाओं के लिए डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर, सीएमएचओ और सिविल सर्जन को स्वास्थ्य प्रबंधन और एम्बुलेंस प्रेषण का दायित्व सौंपा गया है। अन्य महत्वपूर्ण नियुक्तियों में आर.के. हनुमंते, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी को राहत कैंपों व हेलीपैड की व्यवस्था हेतु 'सुविधा प्रदाय यूनिट हेड', देवेश वाथम को 'परिवहन प्रमुख', और प्रमोद कुमार गेडाम को 'ऊर्जा यूनिट हेड' के रूप में बिजली व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रभार दिया गया है। श्रीमती पूर्वी तिवारी, डिप्टी कलेक्टर को 'योजना सेक्शन प्रमुख' के रूप में इंसिडेंट एक्शन प्लान तैयार करने की जिम्मेदारी मिली है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433